भारत सरकार

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं॰ 1474

दिनांक 24.12.2018 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्वच्छ भारत मिशन का क्रियान्वयन

1474. श्रीमती विजिला सत्यानंतः

क्या **पेयजल और स्वच्छता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि स्वच्छ भारत मिशन (एस॰बी॰एम॰) संयुक्त राष्ट्र (यू॰एन॰) के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार सिद्ध होगा;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि स्वच्छ भारत मिशन अब विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक अभियान बन गया है;

(घ) क्या स्वच्छ भारत मिशन ने ग्रामीण स्वच्छता के दायरे को कई गुना बढ़ाने में मदद की थी; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

(श्री रमेश चंदप्पा जिगाजिनागी)

(क) और (ख) संयुक्त राष्ट्र के स्थायी विकास लक्ष्य (एसडीजी) का लक्ष्य 6.2, वर्ष 2030 तक महिलाओं एवं बालिकाओं तथा अतिसंवेदनशील स्थिति वाले लोगों की जरूरतों पर विशेष ध्यान देते हुए सभी को पर्याप्त एवं समान स्वच्छता उपलब्ध कराने तथा खुले में शौच को समाप्त करने के बारे में है। दिनांक 02 अक्तूबर, 2019 तक देश में सभी ग्रामीण परिवारों को शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराकर खुले में शौच मुक्त भारत की प्राप्ति के उद्देश्य के साथ दिनांक 2 अक्तूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) [एसबीएम (जी)] की शुरूआत की गई थी। ग्रामीण स्वच्छता कवरेज दिनांक 02.10.2014 को 38.70% था जो 20.12.2018 तक बढ़कर 97.64% हो गया है।

(ग) एसबीएम (जी) के अंतर्गत, गहन सूचना, शिक्षा एवं संप्रेषण (आईईसी) तथा अंतर वैयक्तिक संप्रेषण (आईपीसी) अभियानों के जरिए सामूहिक व्यवहार परिवर्तन पर बल दिया जाता रहा है। इससे सुरक्षित शौचालयों और उनके प्रयोग के संबंध में समुदायों से भारी मांग प्राप्त हुई है। संप्रेषण के सभी माध्यमों का प्रयोग करते हुए समेकित प्रयासों से खुले में शौच मुक्त भारत के लक्ष्य के लिए प्रत्येक स्तर पर लोगों को एकजुट करने में मदद मिली है। स्वच्छ भारत सचमुच एक जन आंदोलन बन गया है और इसे विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक आन्दोलन कहा जा सकता है।

(घ) से (ड.) दिनांक 2.10.2014 को ग्रामीण स्वच्छता कवरेज 38.70% था। दिनांक 20.12.2018 तक यह बढ़कर 97.64% हो गया है।